ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-02-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-24	2024-02-25	2024-02-26	2024-02-27	2024-02-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	25.0	27.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	14.0	15.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	19	25	38	36
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	6	9	15	22	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	15	10	17	15	14
पवन दिशा (डिग्री)	292	91	105	15	20
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	6	8	8	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 25.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 12.0 से 15.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

सरसों की फसल पकाव अवस्था पर हैं इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि फसल की उचित कायिक अवस्था पर कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। फसल को कटाई के बाद कुछ दिन धुप में सुखाने के बाद गहाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेंहूं की फसल अभी दुधिया अवस्था में हैं और इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई करना अति आवश्यक है। खडी फसल में दीमक की रोकथाम हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हेक्टयर सिचांई के साथ दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	मौसम की स्थिति जीरे की फसल में छाछ्या (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग के प्रकोप के अनुकूल है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20 किग्रा/हेक्टेयर की दर से सल्फर डस्ट या हेक्साकोनाजोल @ 1.0 मिली/ लीटर पानी के साथ पर्णीय छिड़काव करें यदि जीरे में रोग का प्रकोप देखा जाता है।
तुरई	गी्रष्मकालीन तोरई की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा नसदार, पूसा चिकनी, अर्का सुजात, अर्का सुमित, पी.आर.जी-1 । एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है। बुवाई के समय 15 किलो नत्रजन, 25 किलो फास्फोरस व 25 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
लौकी	लोकी की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, पंजाब कोमल। लोकी की बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 60 किलो नत्रजन, 100 किलो फास्फोरस व 80 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम की स्थिति जैसे शुष्क परिस्थितियों के कारण पशु को शेड और साफ क्षेत्र में रखा जाना चाहिए। घरेलू मक्खियों और अन्य के संक्रमण से बचने के लिए शेड के आसपास के क्षेत्र को साफ करें ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	तारामीरा की फसल पकाव अवस्था पर है अतः पकी फसल की कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें।